

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या : 32

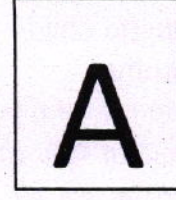
Number of Pages in Booklet : 32

पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या : 100

Number of Questions in Booklet : 100

समय/Time : 2.00 घंटे /Hours

पूर्णांक / Maximum Marks : 100



बुकलेट
सीरीज

निर्देश

INSTRUCTIONS

1. Answer all questions.
2. All questions carry equal marks.
3. Only one answer is to be given for each question.
4. If more than one answer is marked, it would be treated as wrong answer.
5. Answers are to be marked on the OMR Answer Sheet, which is provided separately.
6. Each question has four options marked serially as 1,2,3,4, out of which only one is correct. Candidate has to darken only one circle or bubble indicating the correct answer on the Answer Sheet using BLACK/ BLUE BALL POINT PEN.
7. There is no Negative Marking.
8. Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt as per rules.
9. Please carefully and correctly fill your Roll Number and Series printed on Question Paper Booklet on O.M.R. Answer Sheet.
10. If there is any sort of ambiguity / mistake either of printing or factual nature then out of Hindi and English Version of the question, the English Version will be treated as standard.
11. Answer to the question by darkening multiple circles or by wrong method or using whitener will not be evaluated.

Warning : Candidate using unfair means in the exam will be disqualified & action as per law shall be taken.

1. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।
3. प्रत्येक प्रश्न का केवल एक ही उत्तर दीजिए ।
4. एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा ।
5. प्रश्नों के उत्तर पृथक से दिये जाने वाले ओ.एम. आर. पत्रक पर अंकित करें ।
6. प्रत्येक प्रश्न के साथ चार विकल्प दिये गये हैं, जिन्हें क्रमशः 1,2,3,4 अंकित किया गया है, जिनमें से एक सही है। अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले अथवा बबल को उत्तर-पत्रक पर नीले/काले बॉल प्वाइंट पेन से गहरा करना है ।
7. कोई नकारात्मक अंकन नहीं है ।
8. परीक्षा हॉल में मोबाईल फोन अथवा इलेक्ट्रॉनिक यंत्र पूर्णतः वर्जित है । किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी वर्जित सामग्री पाये जाने पर उसके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्यवाही की जावेगी ।
9. कृपया अपना रोल नम्बर एवं प्रश्न पत्र पुस्तिका पर अंकित सीरीज ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर सावधानी पूर्वक सही भरें ।
10. यदि किसी प्रश्न में किसी प्रकार की कोई मुद्रण या तथ्यात्मक प्रकार की अस्पष्टता/त्रुटि हो तो प्रश्न के हिन्दी तथा अंग्रेजी रूपान्तरों में से अंग्रेजी रूपान्तर मान्य होगा ।
11. एक से अधिक गोले भरने या गलत तरीके से गोला भरने अथवा व्हाइटनर का उपयोग करने पर उस उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा ।

चेतावनी : परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करने पर अभ्यर्थी को अयोग्य घोषित कर दिया जायेगा एवं विधिनुसार कार्यवाही की जायेगी।

1. Under provisions of Indian Succession Act, 1925 probate cannot be granted to:-
(1) A married daughter.
(2) A minor son.
(3) Illegitimate child .
(4) Half brother.
1. भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 1925 के प्रावधानों के अन्तर्गत प्रोबेट प्रदान नहीं किया जा सकता है:-
(1) एक विवाहिता पुत्री को ।
(2) एक अवयस्क पुत्र को ।
(3) अधर्मज शिशु को ।
(4) अर्धरक्त भाई को ।
2. Under the Hindu Adoptions and Maintenance Act, 1956 who among the following cannot be adopted:-
(1) A Hindu.
(2) Already adopted child.
(3) A minor.
(4) An unmarried child.
2. हिन्दू दत्तक एवं भरण पोषण अधिनियम, 1956 के अन्तर्गत इनमें से किसे दत्तक नहीं लिया जा सकता है :-
(1) एक हिन्दू को ।
(2) पूर्व से दत्तक बालक को ।
(3) एक अवयस्क को ।
(4) एक अविवाहित बालक को ।
3. Which of the following is not a 'Public Utility Service' for the purpose of the Legal Services Authority Act, 1987:-
(1) Transport Service.
(2) Postal, Telegraph or Telephone Service.
(3) Insurance Service.
(4) Banking Services.
3. विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के प्रयोजनार्थ निम्नलिखित में से कौनसी "जन उपयोगी सेवा" नहीं है :-
(1) परिवहन सेवा ।
(2) डाक, तार अथवा दूरभाष सेवा ।
(3) बीमा सेवा ।
(4) बैंकिंग सेवा ।
4. In a case where a party is added or substituted owing to assignment or devolution of any interest during the pendency of a suit, the suit shall as regards him, be deemed to have been instituted:-
(1) On the date the suit was instituted.
(2) When he was so made a party.
(3) On the date when the application for addition or substitution is made.
(4) None of the above.

4. वाद के लम्बित रहने के दौरान एक प्रकरण में समनुदेशन अथवा किसी हित के न्यागमन के कारण एक पक्षकार जोड़ा अथवा प्रतिस्थापित किया गया है, ऐसे पक्षकार के सम्बन्ध में वाद संस्थित हुआ होना माना जायेगा:-
- (1) उस दिनांक को जब वाद संस्थित किया गया था ।
 - (2) जब उसे पक्षकार बनाया गया था ।
 - (3) उस दिनांक को जब जोड़ने अथवा प्रतिस्थापित करने हेतु प्रार्थना पत्र पेश किया गया ।
 - (4) उपरोक्त में से कोई नहीं ।
5. As per Schedule for compensation for third party fatal accidents under Section 163A of the Motor Vehicles Act, 1988 the amount of compensation arrived at, in consideration of the expenses, which a victim would have incurred, towards maintaining himself, had he been alive, shall be reduced by:-
- (1) 1/2
 - (2) 1/3
 - (3) 1/4
 - (4) 1/8
5. मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 163क के अन्तर्गत तृतीय पक्ष घातक दुर्घटना सम्बन्धी दावों के लिये प्रतिकर की अनुसूची के अनुसार परिवलित प्रतिकर की रकम में से उन व्ययों को ध्यान में रखते हुए, जो आहत व्यक्ति अपने पालन-पोषण हेतु उपगत करता, यदि वह जीवित रहता, रकम घटाई जायेगी:-
- (1) 1/2
 - (2) 1/3
 - (3) 1/4
 - (4) 1/8
6. For an instrument of gift of immovable property, under the Registration Act, 1908:-
- (1) Registration is compulsory.
 - (2) Registration is optional.
 - (3) Registration is exempted.
 - (4) None of the above.
6. पंजीयन अधिनियम, 1908 के अन्तर्गत एक स्थावर सम्पत्ति के दान विलेख हेतु:-
- (1) पंजीयन अनिवार्य है ।
 - (2) पंजीयन ऐच्छिक है ।
 - (3) पंजीयन से छूट प्राप्त है ।
 - (4) उपरोक्त में से कोई नहीं ।
7. Where the time limit of a lease is of a year or number of years, which is expressed to be determinable before its expiration, and the lease omits to mention at whose option it is so terminable, who shall have such option:-
- (1) Lessee.
 - (2) Lessor.
 - (3) Transferor.
 - (4) None of the above.

7. जहाँ पट्टा एक वर्ष या अधिक वर्षों की समयावधि का है, जिसमें इसके अवसान से पूर्व पर्यावसित योग्य होना उल्लेखित है और पट्टे में किसके विकल्प पर पर्यवसनीय होगा, इस तथ्य का लोप है तो ऐसा करने का विकल्प किसके पास होगा:-
- (1) पट्टेदार ।
 - (2) पट्टाकर्ता ।
 - (3) अन्तरणकर्ता ।
 - (4) उपरोक्त में से कोई नहीं ।
8. The maxim 'Actus curiae neminem gravabit' means:-
- (1) An act of the Court shall prejudice no man.
 - (2) The act of God does wrong to no one.
 - (3) An act in law shall prejudice no man.
 - (4) An act does not constitute guilt unless done with a guilty intention.
8. सूत्र "Actus curiae neminem gravabit" से आशय है :-
- (1) न्यायालय के कार्य से किसी की हानि नहीं होती ।
 - (2) दैवीय कार्य किसी को क्षति नहीं पहुँचाता ।
 - (3) विधिक कार्य से किसी की हानि नहीं होती ।
 - (4) केवल कार्य किसी को अपराधी नहीं बनाता यदि उसका मन भी अपराधी न हो ।
9. Which of the following is not an internal aid to the construction or interpretation of statute:-
- (1) Long Title of an Act.
 - (2) Illustrations.
 - (3) Marginal Notes appended to a section.
 - (4) Preamble of a statute.
9. निम्नलिखित में से कौनसा विधि के अर्थान्वयन अथवा निर्वचन हेतु आंतरिक रूप से सहायक नहीं है:-
- (1) एक अधिनियम का लम्बा शीर्षक ।
 - (2) उदाहरण ।
 - (3) धारा में संलग्न पार्श्व टिप्पणी ।
 - (4) विधि की प्रस्तावना ।
10. Iddat period, in case of a divorced woman, if she is subject to menstruation, means:-
- (1) Three menstrual courses after the date of divorce.
 - (2) Six months period after the date of divorce.
 - (3) Nine menstrual courses after the date of divorce.
 - (4) Nine months period after the date of divorce.
10. तलाकशुदा स्त्री के मामले में, यदि वह मासिक धर्म में हों, इद्दत की अवधि से अभिप्रेत है:-
- (1) तलाक की दिनांक से तीन ऋतुकाल ।
 - (2) तलाक की दिनांक से छः माह की अवधि ।
 - (3) तलाक की दिनांक से नौ ऋतुकाल ।
 - (4) तलाक की दिनांक से नौ माह की अवधि ।

11. For the purpose of Rajasthan Relief of Agricultural Indebtness Act, 1957, the term 'agriculture' does not include:-
- (1) Horticulture.
 - (2) Breeding of cattle, camels, sheep or goats.
 - (3) Bee farming and collecting honey.
 - (4) Reserving of land for fodder grazing or thatching grass.
11. राजस्थान कृषि ऋणिता अवमुक्ति अधिनियम, 1957 के प्रयोजनार्थ शब्द "कृषि" में सम्मिलित नहीं है:-
- (1) उद्यान कृषि ।
 - (2) पशु, ऊंट, भेड़ या बकरियां पालना ।
 - (3) मधुमक्खी पालन एवं शहद एकत्रित करना ।
 - (4) चारे की चराई या छवाने की घास के लिए भूमि का आरक्षण ।
12. Any person aggrieved by an order made by the Collector (Stamps) can apply for a revision under Section 65 of the Rajasthan Stamp Act, 1998, before:-
- (1) Rajasthan High Court.
 - (2) Chief Controlling Revenue Authority.
 - (3) Inspector General of Stamps.
 - (4) State Government.
12. कलक्टर (मुद्रांक) के आदेश से व्यथित व्यक्ति, राजस्थान स्टाम्प अधिनियम, 1998 की धारा 65 के अन्तर्गत पुनरीक्षण हेतु किसके समक्ष आवेदन कर सकता है :-
- (1) राजस्थान उच्च न्यायालय ।
 - (2) मुख्य नियंत्रक राजस्व प्राधिकारी ।
 - (3) महानिरीक्षक मुद्रांक ।
 - (4) राज्य सरकार ।
13. The Supreme Court of India in the exercise of its jurisdiction may make such order as is necessary for doing complete justice in any case, such power is conferred by:-
- (1) Article 141 of the Constitution of India.
 - (2) Article 142 of the Constitution of India.
 - (3) Article 32 of the Constitution of India.
 - (4) Article 124 of the Constitution of India.
13. भारत का उच्चतम न्यायालय अपनी अधिकारिता का प्रयोग करते हुए ऐसा आदेश पारित कर सकेगा जो कि किसी वाद में पूर्ण न्याय करने के लिए आवश्यक हो, ऐसी शक्ति प्रदत्त की गई है:-
- (1) भारत के संविधान के अनुच्छेद 141 द्वारा ।
 - (2) भारत के संविधान के अनुच्छेद 142 द्वारा ।
 - (3) भारत के संविधान के अनुच्छेद 32 द्वारा ।
 - (4) भारत के संविधान के अनुच्छेद 124 द्वारा ।
14. In which Judgement, Hon'ble Supreme Court has held Right to Privacy to be a Fundamental Right:-
- (1) Subramanium Swamy vs. Union of India & Ors.
 - (2) Lok Prahari vs. Union of India & Ors.
 - (3) Justice Sunanda Bhandare Foundation vs. Union of India & Ors.
 - (4) Justice K.S.Puttaswamy & Anr. vs. Union of India & Ors.

14. किस निर्णय में माननीय उच्चतम न्यायालय ने निजता के अधिकार को मूल अधिकार होना अभिनिर्धारित किया है:-
- (1) सुब्रह्मण्यम् स्वामी बनाम् भारत संघ एवं अन्य ।
 - (2) लोकप्रहरी बनाम् भारत संघ एवं अन्य ।
 - (3) जस्टिस सुनंदा भण्डारे फाउण्डेशन बनाम् भारत संघ एवं अन्य ।
 - (4) जस्टिस के. एस. पुट्टास्वामी एवं अन्य बनाम् भारत संघ एवं अन्य ।
15. Which of the following is a valid defence against an action in tort:-
- (1) Mistake of fact.
 - (2) Act of God.
 - (3) Minority.
 - (4) None of the above.
15. अपकृत्य में एक कार्य के विरुद्ध निम्नलिखित में से कौन सी एक वैध प्रतिरक्षा है:-
- (1) तथ्य की भूल ।
 - (2) दैवीय कृत्य ।
 - (3) अवयस्कता ।
 - (4) उपरोक्त में से कोई नहीं ।
16. When a marriage has been dissolved by a decree of divorce under Hindu Marriage Act, 1955 and there is a right of appeal, the divorced persons may marry again:-
- (1) After expiry of 1 month from the decree of divorce.
 - (2) Immediately after passing of the decree of divorce.
 - (3) After expiry of 2 months from the decree of divorce.
 - (4) After expiry of the time for appealing, without any appeal having been presented.
16. जब विवाह, हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955 के अन्तर्गत विवाह विच्छेद की डिक्री द्वारा विघटित कर दिया गया हो और अपील का अधिकार हो तो विवाह विच्छेद प्राप्त व्यक्ति पुनः विवाह कर सकेंगे:-
- (1) विवाह विच्छेद की डिक्री के एक माह के अवसान के पश्चात् ।
 - (2) विवाह विच्छेद की डिक्री पारित होने के तुरन्त पश्चात् ।
 - (3) विवाह विच्छेद की डिक्री के दो माह के अवसान के पश्चात् ।
 - (4) अपील की अवधि के अवसान के पश्चात्, यदि कोई अपील प्रस्तुत नहीं की गई हो ।
17. Promissory estoppel is the extension of principle contained in which provision of the Evidence Act:-
- (1) Section 65
 - (2) Section 110
 - (3) Section 115
 - (4) Section 150
17. वचन-विबन्ध, साक्ष्य अधिनियम में अंतर्विष्ट किस प्रावधान के सिद्धान्त का विस्तार है:-
- (1) धारा 65
 - (2) धारा 110
 - (3) धारा 115
 - (4) धारा 150

18. Prior to the Hindu Succession (Amendment) Act, 2005 coming into force, who amongst the following was not Class I heir of male Hindu dying intestate:-
- (1) Mother.
 - (2) Widow .
 - (3) Daughter.
 - (4) None of the above.
18. हिन्दू उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2005 के प्रभाव में आने से पूर्व, निम्न में से कौन निर्वसीयत मृत हिन्दू पुरुष का प्रथम श्रेणी का उत्तराधिकारी नहीं था:-
- (1) माता ।
 - (2) विधवा ।
 - (3) पुत्री ।
 - (4) उपरोक्त में से कोई नहीं ।
19. Under which provision of Rajasthan Land Revenue Act, 1956, a person without lawful authority occupying land, which is at the disposal of local authority, can be evicted:-
- (1) Section 91 of the Act
 - (2) Section 90-A of the Act
 - (3) Section 90-B of the Act
 - (4) Section 92 of the Act
19. एक व्यक्ति, किसी भूमि, जो कि स्थानीय प्राधिकारी के व्ययन पर है, पर बिना विधिसंगत प्राधिकार के काबिज है, को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 के किस प्रावधान के अन्तर्गत बेदखल किया जा सकता है:-
- (1) अधिनियम की धारा 91
 - (2) अधिनियम की धारा 90-क
 - (3) अधिनियम की धारा 90-ख
 - (4) अधिनियम की धारा 92
20. 'Decree', as defined by Section 2 of the Code of Civil Procedure, 1908 does not include:-
- (1) A preliminary decree.
 - (2) Rejection of a plaint.
 - (3) Determination of any question within Section 144 CPC.
 - (4) Any order of dismissal for default.
20. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 की धारा 2 में परिभाषित "डिक्री" में सम्मिलित नहीं है:-
- (1) एक प्रारंभिक डिक्री ।
 - (2) वादपत्र का नामंजूर किया जाना ।
 - (3) धारा 144 सिविल प्रक्रिया संहिता के अन्तर्गत किसी प्रश्न का अवधारण ।
 - (4) व्यतिक्रम हेतु खारिज करने का कोई आदेश ।
21. Against a decree passed in a suit after recording a compromise, an appeal on the ground that the compromise should not have been recorded, can be filed under:-
- (1) Section 151 CPC.
 - (2) Order XXIII CPC.
 - (3) Order XLIII Rule 1-A CPC.
 - (4) None of the above.

21. समझौता लेखबद्ध करने के उपरान्त वाद में पारित किसी डिक्री के विरुद्ध अपील, इस आधार पर कि समझौता लेखबद्ध नहीं किया जाना चाहिए था, किस प्रावधान के अन्तर्गत प्रस्तुत की जा सकती है:-
- (1) धारा 151 सिविल प्रक्रिया संहिता ।
 - (2) आदेश XXIII सिविल प्रक्रिया संहिता ।
 - (3) आदेश XLIII नियम 1-क सिविल प्रक्रिया संहिता ।
 - (4) उपरोक्त में से कोई नहीं ।
22. Chapter II and III of Rajasthan Rent Control Act, 2001 applies to:-
- (1) Any premises let out to a citizen of a foreign country.
 - (2) Any premises belonging to or vested in a University established by any law for the time being in force.
 - (3) Any premises belonging to a Government Company as defined under Section 617 of the Companies Act, 1956.
 - (4) Any premises situated in the municipal area of Jaipur City, let out for residential purposes, for a monthly rent of Rs. 8,000/-.
22. राजस्थान किराया नियंत्रण अधिनियम, 2001 के अध्याय II और III लागू होते हैं:-
- (1) ऐसे किन्हीं परिसरों को, जिन्हें किसी विदेशी नागरिक को किराये पर दिया गया हो ।
 - (2) किन्हीं भी ऐसे परिसरों को, जो तत्समय प्रवृत्त किसी भी विधि द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय के हों या उसमें निहित हों ।
 - (3) कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 617 में यथापरिभाषित किसी सरकारी कम्पनी के किन्हीं परिसरों को ।
 - (4) जयपुर शहर के नगरपालिका क्षेत्र में स्थित किन्हीं परिसरों को, जिन्हें आवासीय प्रयोजनार्थ 8000/- रुपये मासिक किराये पर दिया गया हो ।
23. A suit against a municipality or its officers can be instituted otherwise than for the recovery of immovable property or for a declaration of title thereto:-
- (1) After six months of the accrual of cause of action.
 - (2) After eight months of the accrual of cause of action.
 - (3) Within six months next after the accrual of cause of action.
 - (4) None of the above.
23. अचल सम्पत्ति के प्रत्युद्धरण अथवा उसके स्वत्व की घोषणा के सिवाय एक वाद नगरपालिका अथवा उसके अधिकारियों के विरुद्ध संस्थित किया जा सकता है:-
- (1) वादकारण उद्भूत होने के छः माह पश्चात् ।
 - (2) वादकारण उद्भूत होने के आठ माह पश्चात् ।
 - (3) वादकारण उद्भूत होने के पश्चात् आगामी छः माह के भीतर ।
 - (4) उपरोक्त में से कोई नहीं ।
24. The grant of and transfer of licences is governed by:-
- (1) The Transfer of Property Act, 1882.
 - (2) The Specific Relief Act, 1963.
 - (3) The Indian Contract Act, 1932.
 - (4) The Indian Easements Act, 1882.

24. अनुज्ञप्तियों की मंजूरी और अन्तरण शासित होते हैं:-
- (1) सम्पत्ति अन्तरण अधिनियम, 1882 द्वारा ।
 - (2) विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम, 1963 द्वारा ।
 - (3) भारतीय संविदा अधिनियम, 1932 द्वारा ।
 - (4) भारतीय सुखाचार अधिनियम, 1882 द्वारा ।
25. Under Rajasthan Court fees and Suits Valuation Act, 1961, all questions arising on a plea that the subject matter of the suit has not been properly valued or that the fee paid is not sufficient, are required to be heard and decided:-
- (1) At the final hearing of the suit.
 - (2) At the discretion of the trial court.
 - (3) Before the hearing of the suit as contemplated by Order XVIII CPC.
 - (4) None of the above.
25. राजस्थान न्यायालय फीस एवं वाद मूल्यांकन अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत, इस तर्क पर उत्पन्न होने वाले सभी प्रश्न, कि वाद की विषय-वस्तु को समुचित मूल्यांकित नहीं किया गया है अथवा संदत्त फीस पर्याप्त नहीं है, सुने एवं निर्णित किये जायेंगे:-
- (1) वाद की अन्तिम सुनवाई के समय ।
 - (2) विचारण न्यायालय के विवेक पर ।
 - (3) वाद की सुनवाई से पूर्व जैसा कि आदेश XVIII सिविल प्रक्रिया संहिता में अनुध्यात है ।
 - (4) उपरोक्त में से कोई नहीं ।
26. Which of the contract is not specifically enforceable:-
- (1) A contract for the non performance of which compensation in money is not an adequate relief.
 - (2) A contract which is in its nature determinable.
 - (3) A contract, the performance of which does not involve the performance of a continuous duty, which the Court can supervise.
 - (4) A contract which is not dependent on the personal qualification or volition of the parties.
26. कौनसी संविदा विनिर्दिष्ट रूप से प्रवर्तनीय नहीं है:-
- (1) वह संविदा, जिसके अपालन के लिए धन के रूप में प्रतिकर यथायोग्य अनुतोष नहीं हो ।
 - (2) वह संविदा, जो उसकी प्रकृति से ही पर्यवसेय हो ।
 - (3) वह संविदा, जिसके पालन में ऐसा सतत् कर्तव्य का पालन अन्तर्वलित नहीं हो, जिसका न्यायालय पर्यवेक्षण कर सके ।
 - (4) वह संविदा, जो पक्षकारों की व्यक्तिगत अर्हताओं अथवा स्वेच्छा पर आश्रित नहीं हों ।
27. The power of review on the Board of Revenue and other revenue courts is conferred by which provision of the Rajasthan Tenancy Act, 1955 :-
- (1) Section 207
 - (2) Section 224
 - (3) Section 229
 - (4) Section 230

27. राजस्थान काश्तकारी अधिनियम, 1955 के किस प्रावधान के अन्तर्गत राजस्व मण्डल एवं अन्य राजस्व न्यायालयों को पुनर्विलोकन की शक्ति प्रदत्त की गई है:-
- (1) धारा 207
 - (2) धारा 224
 - (3) धारा 229
 - (4) धारा 230
28. Which of the following is not a negotiable instrument :-
- (1) Promissory note.
 - (2) Fixed Deposit Receipt.
 - (3) Bill of Exchange.
 - (4) A cheque.
28. निम्न में से कौनसा एक परक्राम्य विलेख नहीं है :-
- (1) वचन-पत्र ।
 - (2) सावधि जमा रसीद ।
 - (3) विनिमय-पत्र ।
 - (4) चैक ।
29. Under the General Rules (Civil), 1986 all pleadings, applications and petitions filed in the course of civil judicial proceedings, shall be written in:-
- (1) Hindi.
 - (2) English.
 - (3) Any language specified in the Eighth Schedule of the Constitution of India.
 - (4) None of the above.
29. सामान्य नियम (दीवानी), 1986 के अन्तर्गत सभी अभिवचन, आवेदन-पत्र और याचिकाएं, जो दीवानी न्यायिक कार्यवाहियों में प्रस्तुत की जाती हैं, लिखी जायेंगी:-
- (1) हिन्दी ।
 - (2) अंग्रेजी ।
 - (3) भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में विनिर्दिष्ट कोई भाषा ।
 - (4) उपरोक्त में से कोई नहीं ।
30. Under the Arbitration and Conciliation Act, 1996, in the case of international commercial arbitration 'Court' means:-
- (1) The principal Civil Court of original jurisdiction.
 - (2) Small Causes Court.
 - (3) The High Court .
 - (4) None of the above.
30. माध्यस्थम् एवं सुलह अधिनियम, 1996 के अन्तर्गत अन्तर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक मध्यस्थ के मामले में "न्यायालय" से अभिप्रेत है:-
- (1) आरम्भिक अधिकारिता का प्रधान दीवानी न्यायालय ।
 - (2) लघुवाद न्यायालय ।
 - (3) उच्च न्यायालय ।
 - (4) उपरोक्त में से कोई नहीं ।

31. An order refusing to refer the parties to arbitration under Section 8 of the Arbitration and Conciliation Act, 1996 is appealable under :-
- (1) Section 34 of the Act.
 - (2) Article 227 of the Constitution of India.
 - (3) Section 37 of the Act.
 - (4) Section 11 of the Act.
31. माध्यस्थम् एवं सुलह अधिनियम, 1996 की धारा 8 के अन्तर्गत पक्षकारों को माध्यस्थम् हेतु निर्देशित करने से इन्कार करने का आदेश अपील योग्य है:-
- (1) उक्त अधिनियम की धारा 34 के अन्तर्गत ।
 - (2) भारत के संविधान के अनुच्छेद 227 के अन्तर्गत ।
 - (3) उक्त अधिनियम की धारा 37 के अन्तर्गत ।
 - (4) उक्त अधिनियम की धारा 11 के अन्तर्गत ।
32. The provisions for removal and suspension of any member or Chairperson of a Panchayati Raj Institution under the Rajasthan Panchayati Raj Act, 1994 are contained in:-
- (1) Section 119 of the Act.
 - (2) Section 38 of the Act.
 - (3) Section 117-A of the Act.
 - (4) Section 39 of the Act.
32. राजस्थान पंचायती राज अधिनियम, 1994 के अन्तर्गत पंचायती राज संस्थान के किसी सदस्य अथवा अध्यक्ष को हटाने व निलम्बित करने के प्रावधान अन्तर्विष्ट हैं:-
- (1) उक्त अधिनियम की धारा 119 में ।
 - (2) उक्त अधिनियम की धारा 38 में ।
 - (3) उक्त अधिनियम की धारा 117-क में ।
 - (4) उक्त अधिनियम की धारा 39 में ।
33. Under section 10 of the Indian Partnership Act, 1932 every partner is under a duty :-
- (1) To render true accounts and full information.
 - (2) To indemnify the firm for any loss caused to it by his fraud in the conduct of the business of the firm.
 - (3) Not to carry on any business other than that of the firm.
 - (4) To be just and faithful to each other.
33. भारतीय भागीदारी अधिनियम, 1932 की धारा 10 के अन्तर्गत प्रत्येक भागीदार का कर्तव्य है:-
- (1) सही हिसाब एवं पूर्ण सूचना देना ।
 - (2) उस हर हानि के लिए फर्म की क्षतिपूर्ति करना, जो फर्म के कारबार के संचालन में उसके कपट से फर्म को कारित हुई हो ।
 - (3) फर्म के कारबार के अतिरिक्त अन्य कोई कारबार संचालित नहीं करना ।
 - (4) एक दूसरे के प्रति विश्वासपरायण व वफादार होना ।

34. Under Sale of Goods Act, 1930, movable goods does not include:-
 (1) Stock and shares.
 (2) Grass.
 (3) Money.
 (4) Growing crops.
34. माल विक्रय अधिनियम, 1930 के अन्तर्गत, चल माल में सम्मिलित नहीं है:-
 (1) स्टॉक एवं शेयर्स ।
 (2) घास ।
 (3) धन ।
 (4) उगती फसलें ।
35. In a suit against a Corporation, the summons may be served on:-
 (1) Any employee of the corporation.
 (2) Relative of the director of the corporation.
 (3) Principal officer of the corporation.
 (4) None of the above.
35. किसी निगम के विरुद्ध वाद में समन की तामील की जायेगी:-
 (1) निगम के किसी भी कर्मचारी पर ।
 (2) निगम के निदेशक के रिश्तेदार पर ।
 (3) निगम के प्रधान अधिकारी पर ।
 (4) उपरोक्त में से कोई नहीं ।
36. The offences under Sections 66B, 66C, 66D and 66E of Information and Technology Act, 2000, are :-
 (1) Cognizable.
 (2) Sessions Triable.
 (3) Non-bailable.
 (4) None of the above.
36. सूचना एवं प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 66ख, 66ग, 66घ और 66ङ के अपराध हैं:-
 (1) संज्ञेय ।
 (2) सेशन्स विचारणीय ।
 (3) अजमानतीय ।
 (4) उपरोक्त में से कोई नहीं ।
37. A complainant, of a Magistrate triable case instituted upon a complaint, can challenge the judgment of acquittal passed by the competent court, by filing:-
 (1) Revision in the Sessions Court.
 (2) Revision in the High Court.
 (3) Appeal before a Sessions Court.
 (4) Application for grant of leave to appeal in the High Court.

37. परिवाद पर संस्थित किसी मजिस्ट्रेट द्वारा विचारणीय मामले का परिवादी, सक्षम न्यायालय द्वारा पारित दोषमुक्ति के निर्णय को, चुनौती दे सकता है:-

- (1) सेशन न्यायालय में पुनरीक्षण प्रस्तुत कर ।
- (2) उच्च न्यायालय में पुनरीक्षण प्रस्तुत कर ।
- (3) सेशन न्यायालय के समक्ष अपील प्रस्तुत कर ।
- (4) अपील की इजाजत दिये जाने हेतु उच्च न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत कर ।

38. An information, supplied by an accused under Section 27 of the Evidence Act, shall be recorded:-

- (1) In presence of two independent Panch witnesses.
- (2) In presence of a Gazetted Officer.
- (3) In presence of two Police Officers.
- (4) None of the above.

38. साक्ष्य अधिनियम की धारा 27 के अन्तर्गत एक अभियुक्त द्वारा दी गई सूचना, अभिलिखित की जायेगी:-

- (1) दो स्वतंत्र पंच साक्षियों की उपस्थिति में ।
- (2) राजपत्रित अधिकारी की उपस्थिति में ।
- (3) दो पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति में ।
- (4) उपरोक्त में से कोई नहीं ।

39. While assessing age of a person under the Juvenile Justice (care and protection of children) Act, 2015, the Court/Board is required to consider the documents/evidence in the following order of preference:-

- (1) (i) Birth Certificate issued by a Municipality.
(ii) School Certificate.
(iii) Ossification test report.
(iv) Aadhar Card.
- (2) (i) Ossification test report.
(ii) Birth Certificate issued by the Municipality.
(iii) Aadhar Card.
- (3) (i) Birth Certificate issued from the school/matriculation certificate.
(ii) Date of birth certificate issued by the Municipality.
(iii) Ossification test report.
- (4) None of the above.

39. किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम, 2015 के अन्तर्गत एक व्यक्ति की आयु का निर्धारण करते समय न्यायालय/बोर्ड को निम्नलिखित दस्तावेज/साक्ष्य को प्राथमिकता के क्रम में विचारित करना होगा:-

- (1) (i) नगरपालिका द्वारा जारी जन्म प्रमाण-पत्र ।
(ii) स्कूल प्रमाण-पत्र ।
(iii) अस्थि-निर्माण परीक्षण रिपोर्ट ।
(iv) आधार कार्ड ।
- (2) (i) अस्थि-निर्माण परीक्षण रिपोर्ट ।
(ii) नगरपालिका द्वारा जारी जन्म प्रमाण-पत्र ।
(iii) आधार कार्ड ।
- (3) (i) स्कूल द्वारा जारी जन्म प्रमाण-पत्र/मैट्रिक परीक्षा का प्रमाण-पत्र ।
(ii) नगरपालिका द्वारा जारी जन्म प्रमाण-पत्र ।
(iii) अस्थि-निर्माण परीक्षण रिपोर्ट ।
- (4) उपरोक्त में से कोई नहीं ।

40. Which of the following orders may not be passed by the Juvenile Justice Board after conducting inquiry of a child in conflict with law:-

- (1) Direct the child to attend a school.
- (2) Direct the child to attend a vocational training centre.
- (3) Sentence the child to imprisonment till he attains 18 years of age.
- (4) Direct the child to perform community service.

40. विधि का उल्लंघन करने वाले बालक की जाँच करने के पश्चात् किशोर न्याय बोर्ड निम्नलिखित में से कौन सा आदेश पारित नहीं कर सकेगा:-

- (1) बालक को विद्यालय में उपस्थित होने का निर्देश ।
- (2) बालक को व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र में उपस्थित होने का निर्देश ।
- (3) बालक को उसके 18 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक कारावास का दण्ड ।
- (4) बालक को सामुदायिक सेवा करने का निर्देश ।

41. A Children Court trying a child in conflict with law for a heinous offence, is not empowered to :-

- (1) Hold trial of a child as an adult.
- (2) Hold inquiry of the child as a Juvenile Justice Board.
- (3) Sentence the child to imprisonment for a term of 10 years.
- (4) Send the child to a place of safety till he attains the age of 21 years.

41. किसी जघन्य अपराध करने वाले विधि का उल्लंघन करने वाले बालक का विचारण करने वाला बालक न्यायालय, सशक्त नहीं है:-

- (1) बालक का एक वयस्क की तरह विचारण करने हेतु ।
- (2) बालक की जाँच किशोर न्याय बोर्ड के रूप में करने हेतु ।
- (3) बालक को 10 वर्ष की अवधि के कारावास की सजा देने हेतु ।
- (4) बालक को उसके 21 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक सुरक्षित स्थान में भेजने हेतु ।

42. Where, after inquiry under Section 15 of the Juvenile Justice (care and protection of children) Act, 2015, the Juvenile Justice Board is satisfied that a child above 16 years of age, has committed a heinous offence and should be tried as an adult, it may:-

- (1) Commit the case to the Sessions Court concerned for trial of the child as an adult.
- (2) Try the child as per the procedure provided in Cr.P.C.
- (3) Return the charge-sheet to the Investigating Officer for presentation in the Court concerned.
- (4) Transfer the case to the Children Court for trial of the child as an adult.

42. जहाँ, किशोर न्याय (बालको की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 की धारा 15 के अन्तर्गत जाँच करने के पश्चात् किशोर न्याय बोर्ड सन्तुष्ट है कि एक 16 वर्ष से अधिक की आयु के बालक ने जघन्य अपराध कारित किया है और उसका विचारण एक वयस्क की भांति किया जाना चाहिए, तो बोर्ड कर सकेगा:-

- (1) बालक का वयस्क की भांति विचारण करने हेतु मामले को सम्बन्धित सेशन न्यायालय को उपार्पित ।
- (2) दण्ड प्रक्रिया संहिता में उपबन्धित प्रक्रिया के अनुसार बालक का विचारण ।
- (3) सम्बन्धित न्यायालय में प्रस्तुत करने हेतु आरोप-पत्र अनुसंधान अधिकारी को लौटा सकेगा ।
- (4) बालक का वयस्क की भांति विचारण करने हेतु मामले को बालक न्यायालय को अन्तरित ।

43. A private vehicle proceeding on a Highway, suspected to be carrying psychotropic drugs, may be searched by:-

- (1) A Head Constable posted in the Police Station concerned.
- (2) A Sub-Inspector posted in some other District.
- (3) The Deputy Superintendent of Police or officer-in-charge of police station of the area concerned.
- (4) All of the above.

43. राजमार्ग पर जा रहे किसी निजी वाहन के सम्बन्ध में यह सन्देह है कि इसमें मनःप्रभावी औषधि ले जाई जा रही है, की तलाशी ली जा सकेगी:-

- (1) सम्बन्धित पुलिस थाने में पदस्थापित मुख्य आरक्षी द्वारा ।
- (2) किसी अन्य जिले में पदस्थापित उपनिरीक्षक द्वारा ।
- (3) पुलिस उपाधीक्षक अथवा सम्बन्धित क्षेत्र के पुलिस थाना के भारसाधक अधिकारी द्वारा ।
- (4) उपरोक्त सभी के द्वारा ।

44. Before searching a suspect carrying a bag containing narcotic drugs in his hand, the Officer concerned is required to apprise him of his right to be searched in the presence of:-

- (1) A Magistrate or a Gazetted Officer.
- (2) Two independent witnesses from the locality.
- (3) Officer-in-charge of the Police Station of the area concerned.
- (4) None of the above.

44. एक संदिग्ध व्यक्ति जो एक थैले में स्वापक औषधि ले जा रहा है, की तलाशी लेने से पूर्व सम्बन्धित अधिकारी के लिए यह अपेक्षित है कि वह संदिग्ध व्यक्ति को उसके इस अधिकार से अवगत करवाये कि वह अपनी तलाशी करवाने का अधिकारी है:-
- (1) मजिस्ट्रेट अथवा राजपत्रित अधिकारी की उपस्थिति में ।
 - (2) दो स्वतन्त्र स्थानीय साक्षीगण की उपस्थिति में ।
 - (3) सम्बन्धित क्षेत्र के पुलिस थाना के भारसाधक अधिकारी की उपस्थिति में ।
 - (4) उपरोक्त में से कोई नहीं ।
45. A vehicle, container or a receptacles used for commission of an offence punishable under the NDPS Act, 1985, shall not be liable to be confiscated:-
- (1) If the person using the same is acquitted by the Court after trial.
 - (2) If the prosecution fails to lead evidence about its ownership.
 - (3) If the owner proves that the vehicle was used in commission of the offence without his knowledge or connivance.
 - (4) None of the above.
45. स्वापक औषधि एवं मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 के अन्तर्गत दण्डनीय अपराध कारित करने हेतु उपयोग में लाये गये वाहन, कन्टेनर अथवा आवेष्टक अधिहरण किये जाने योग्य नहीं होगा:-
- (1) यदि उसे प्रयुक्त करने वाले व्यक्ति को न्यायालय द्वारा विचारण के पश्चात् दोषमुक्त कर दिया गया हो ।
 - (2) यदि अभियोजन उसके स्वामित्व सम्बन्धी साक्ष्य प्रस्तुत करने में विफल रहता है ।
 - (3) यदि स्वामी यह साबित करता है कि अपराध करने हेतु वाहन का उपयोग उसके ज्ञान अथवा मौनानुकूलता के बिना किया गया था ।
 - (4) उपरोक्त में से कोई नहीं ।
46. A being the owner of a plot of land, sells the same to B through a registered sale deed in the year 2005. B however does not make full payment to A. A again sells the same land to C in the year 2010 without informing him of the earlier transaction of 2005.
- Who would be the person aggrieved in these circumstances:-
- (1) B (the first purchaser).
 - (2) A (the seller).
 - (3) C (the subsequent purchaser)
 - (4) None of the above.
46. ए. एक भूखण्ड का स्वामी होते हुए उसे वर्ष 2005 में पंजीकृत विक्रय विलेख के जरिये बी को विक्रय करता है । यद्यपि बी ए को इसका पूर्ण भुगतान नहीं करता है । ए वर्ष 2010 में पुनः इसी भूखण्ड को सी को, 2005 के पूर्ववर्ती संव्यवहार के बारे में सूचित किये बिना विक्रय कर देता है । इन परिस्थितियों में कौन व्यथित व्यक्ति होगा:-
- (1) बी (प्रथम क्रेता) ।
 - (2) ए (विक्रेता) ।
 - (3) सी (पश्चात्वर्ती क्रेता) ।
 - (4) उपरोक्त में से कोई नहीं ।

47. The bail application rejected by the Special Judge, SC/ST (Prevention of Atrocities) Act, in a case involving offence/s under the said Act, may be challenged in the High Court, by filing:-

- (1) Bail application under Section 439 Cr.P.C.
- (2) Revision under Section 397 Cr.P.C.
- (3) Petition under Section 482 Cr.P.C.
- (4) An appeal

47. न्यायालय अनुसूचित जाति/जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के विशिष्ट न्यायाधीश द्वारा पारित इस अधिनियम में वर्णित किसी अपराध/अपराधों के सम्बन्ध में जमानत आवेदन अस्वीकार करने के आदेश को उच्च न्यायालय में चुनौती दी जा सकेगी:-

- (1) धारा 439 दण्ड प्रक्रिया संहिता के अन्तर्गत जमानत आवेदन-पत्र प्रस्तुत करके ।
- (2) धारा 397 दण्ड प्रक्रिया संहिता के अन्तर्गत पुनरीक्षण प्रस्तुत करके ।
- (3) धारा 482 दण्ड प्रक्रिया संहिता के अन्तर्गत याचिका प्रस्तुत करके ।
- (4) अपील प्रस्तुत करके ।

48. X knows that Y is a member of Scheduled Caste community. During the course of a free fight, X inflicts a grievous injury to Y by a sharp weapon. X is guilty of offence punishable under Section(s):-

- (1) 326 IPC only.
- (2) 3(2)(V) of SC/ST (Prevention of Atrocities) Act.
- (3) 326 IPC and 3(2)(V) of SC/ST (Prevention of Atrocities) Act.
- (4) None of the above.

48. एक्स यह जानता है कि वाई अनुसूचित जाति के समुदाय का सदस्य है । परस्पर-लड़ाई के अनुक्रम के दौरान एक्स वाई को धारदार हथियार से घोर उपहति कारित करता है । एक्स दण्डनीय अपराध अन्तर्गत धारा/धाराओं का दोषी है:-

- (1) केवल 326 भारतीय दण्ड संहिता ।
- (2) 3(2)(V) अनुसूचित जाति/जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम ।
- (3) 326 भारतीय दण्ड संहिता और 3(2)(V) अनुसूचित जाति/जनजाति (अत्याचार निवारण)
- (4) उपरोक्त में से कोई नहीं ।

49. A woman aged 30 years and her son aged 14 years, are witnesses to a murder. Their statements under Section 161 Cr.P.C. may be recorded by the Police Officer concerned at:-

- (1) The scene of the occurrence.
- (2) The Women Police Station.
- (3) At the Police Station where FIR is registered.
- (4) The place where, such woman and her son reside.

49. एक 30 वर्षीय महिला और उसका 14 वर्षीय पुत्र एक हत्या के साक्षी है । सम्बन्धित पुलिस अधिकारी द्वारा उनके कथन अन्तर्गत धारा 161 दण्ड प्रक्रिया संहिता, लेखबद्ध किये जा सकेंगे:-
- (1) घटनास्थल पर ।
 - (2) महिला पुलिस थाना पर ।
 - (3) उस पुलिस थाना पर जहाँ पर प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की गई है ।
 - (4) उस स्थान पर जहाँ ऐसी महिला व उसका पुत्र रहते हैं ।
50. In which of the following cases, the Court is required to record evidence before framing of charge:-
- (1) Summons trial cases.
 - (2) Sessions trial cases.
 - (3) Warrant cases instituted upon a complaint.
 - (4) Warrant cases instituted upon a Police report.
50. निम्न मामलों में से कौनसे में, न्यायालय को आरोप विरचित करने से पूर्व साक्ष्य लेखबद्ध करनी आवश्यक है:-
- (1) समन्स विचारणीय मामले ।
 - (2) सेशनस विचारणीय मामले ।
 - (3) परिवाद पर संस्थित वारण्ट मामले ।
 - (4) पुलिस रिपोर्ट पर संस्थित वारण्ट मामले ।
51. Non-compliance of, which of the following orders passed under the Protection of Women from Domestic Violence Act, 2005, is an offence:-
- (1) Maintenance order.
 - (2) Custody order.
 - (3) Residence order.
 - (4) Protection order.
51. घरेलू हिंसा से स्त्री का संरक्षण अधिनियम, 2005 के अन्तर्गत निम्न में से पारित किस आदेश की अपालना, एक अपराध है:-
- (1) भरण-पोषण आदेश ।
 - (2) अभिरक्षा आदेश ।
 - (3) आवासीय आदेश ।
 - (4) संरक्षण आदेश ।
52. A woman subjected to rape, gives a statement under Section 164 Cr.P.C. implicating the accused for the offence. She commits suicide sometime later but before her statement could be recorded at the trial. Such statement recorded under Section 164 Cr.P.C. would be:-
- (1) Admissible as a substantive piece of evidence.
 - (2) Admissible under Section 32 of the Evidence Act.
 - (3) Admissible under Section 33 of the Evidence Act.
 - (4) Inadmissible in evidence.

52. एक स्त्री जिसके साथ बलात्संग हुआ है, दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 164 के अन्तर्गत दिये गये कथनों में अभियुक्त को संलिप्त करती है। कुछ समय पश्चात्, परन्तु विचारण में उसके कथन अभिलिखित किये जाने से पूर्व, वह आत्महत्या कर लेती है। धारा 164 दण्ड प्रक्रिया संहिता के अन्तर्गत लेखबद्ध ऐसे कथन:-
- (1) सारवान साक्ष्य के रूप में ग्राह्य होंगे।
 - (2) धारा 32 साक्ष्य अधिनियम के अन्तर्गत ग्राह्य होंगे।
 - (3) धारा 33 साक्ष्य अधिनियम के अन्तर्गत ग्राह्य होंगे।
 - (4) साक्ष्य में अग्राह्य होंगे।
53. A Court after holding trial, convicts and grants benefit of Probation of Offenders Act, 1958 to an accused. Which of the following orders is impermissible in law:-
- (1) Admonish the offender.
 - (2) Direct under Section 12 of the Act that the conviction shall not have an adverse effect on his service.
 - (3) Direct the offender to pay compensation and cost.
 - (4) Direct the offender to furnish bail and bonds to keep peace and good behaviour for three years.
53. एक न्यायालय विचारण के पश्चात् अभियुक्त को दोषसिद्ध करता है और उसे अपराधी परिवीक्षा अधिनियम, 1958 का लाभ प्रदान करता है। निम्न में से कौनसा आदेश विधि में अननुज्ञेय है:-
- (1) अपराधी की भर्त्सना।
 - (2) उक्त अधिनियम की धारा 12 के अन्तर्गत यह निर्देश कि उक्त दोषसिद्धि उसकी सेवा पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं रखेगी।
 - (3) अपराधी को क्षतिपूर्ति एवं खर्चा अदा करने का निर्देश।
 - (4) अपराधी को 3 वर्षों के लिए शान्ति व सदाचार बनाये रखने हेतु जमानत व बन्धपत्र प्रस्तुत करने का निर्देश।
54. Two friends A and B were sleeping in a room which was bolted from inside. In the morning, A is found murdered. Under which provision of the Evidence Act, prosecution can claim shifting of burden on B to prove the manner in which the murder took place:-
- (1) Section 114 of the Evidence Act.
 - (2) Section 103 of the Evidence Act.
 - (3) Section 106 of the Evidence Act.
 - (4) Section 101 of the Evidence Act.
54. दो दोस्त ए और बी एक कमरे में जिसका दरवाजा अन्दर से बन्द था, में सो रहे थे। सुबह ए की हत्या हुई होना पाया गया। साक्ष्य अधिनियम के किस प्रावधान के अन्तर्गत अभियोजन, हत्या किस तरीके से हुई है, साबित करने का भार बी पर अधिरोपित करने का कह सकता है:-
- (1) साक्ष्य अधिनियम की धारा 114
 - (2) साक्ष्य अधिनियम की धारा 103
 - (3) साक्ष्य अधिनियम की धारा 106
 - (4) साक्ष्य अधिनियम की धारा 101

55. An FIR in relation to the offence under Section 406 IPC is lodged on 1.1.2010. The Police conducts investigation and submits a negative Final Report in the Court concerned on 2.2.2012. The Court takes cognizance of the above offence on 3.3.2013. In these circumstances, which of the following is correct:-

- (1) The proceedings are barred by limitation.
- (2) The proceedings are not barred by limitation as the offence under Section 406 IPC is a continuing offence.
- (3) The proceedings are not barred by limitation as the FIR was lodged promptly.
- (4) None of the above.

55. भारतीय दण्ड संहिता की धारा 406 के अपराध के सम्बन्ध में एक प्रथम सूचना रिपोर्ट 01.01.2010 को दर्ज की गई । पुलिस अन्वेषण करती है और सम्बन्धित न्यायालय में नकारात्मक अंतिम रिपोर्ट 02.02.2012 को प्रस्तुत करती है । 03.03.2013 को न्यायालय द्वारा उक्त अपराध का प्रसंज्ञान लिया जाता है । इन परिस्थितियों में, निम्न में से कौनसा सही है:-

- (1) कार्यवाहियाँ परिसीमा द्वारा वर्जित है ।
- (2) कार्यवाहियाँ परिसीमा द्वारा वर्जित नहीं है क्योंकि धारा 406 भारतीय दण्ड संहिता का अपराध एक निरन्तर चलने वाला अपराध है ।
- (3) कार्यवाहियाँ परिसीमा द्वारा वर्जित नहीं है क्योंकि प्रथम सूचना रिपोर्ट अविलम्ब दर्ज करवाई गई थी ।
- (4) उपरोक्त में से कोई नहीं ।

56. C being the wife of B, has obtained a decree of separation from the competent Court but they are still living in the same premises. B subjects C to intercourse. Their neighbour A watches the act and files an FIR. Which proposition is correct in these circumstances:-

- (1) B is guilty of the offence punishable under Section 376-B IPC.
- (2) B is not guilty of any offence because C continues to be his legally wedded wife.
- (3) A would be guilty of the offence punishable under Section 354-C IPC.
- (4) None of the above.

56. सी ने बी की पत्नी रहते हुए सक्षम न्यायालय से पृथक्करण की डिक्री प्राप्त कर ली है परन्तु वे अभी भी एक ही परिसर में रह रहे हैं । बी, सी के साथ संभोग करता है । ए, जो कि उनका पड़ोसी है, यह कृत्य देखता है और एक प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करवाता है । इन परिस्थितियों में कौनसा कथन सही है:-

- (1) बी, धारा 376-ख भारतीय दण्ड संहिता के अन्तर्गत दण्डनीय अपराध का दोषी है ।
- (2) बी, किसी भी अपराध का दोषी नहीं है क्योंकि सी निरन्तर उसकी वैध विवाहिता पत्नी है ।
- (3) ए, धारा 354-ग भारतीय दण्ड संहिता के अन्तर्गत दण्डनीय अपराध का दोषी होगा ।
- (4) उपरोक्त में से कोई नहीं ।

57. 5 persons take illegal possession of a field. The owner (the complainant party) of the field collects his supporters and goes to the field for ousting the trespassers therefrom. In the free fight, which ensues, the trespassers kill one person from the complainant side. All The accused can be convicted :-

- (1) With the aid of section 34 of IPC.
- (2) With the aid of section 149 of IPC.
- (3) For the individual injuries caused to the members of the complainant party.
- (4) None of the above.

57. 5 व्यक्ति एक खेत पर अवैध कब्जा करते हैं । भूस्वामी (परिवादी पक्ष) अपने समर्थकों को एकत्रित करके खेत पर अतिचारियों को वहाँ से बाहर निकालने के लिए जाता है । परस्पर मारपीट के आगे बढ़ने पर परिवादी पक्ष के एक व्यक्ति को अतिचारियों द्वारा मार दिया जाता है । सभी अभियुक्तगण दोषसिद्ध किये जा सकते हैं:-

- (1) भारतीय दण्ड संहिता की धारा 34 की सहायता से ।
- (2) भारतीय दण्ड संहिता की धारा 149 की सहायता से ।
- (3) परिवादी पक्ष के सदस्यों को कारित व्यक्तिगत उपहतियों हेतु ।
- (4) उपरोक्त में से कोई नहीं ।

58. The Investigating Officer conducting investigation of a case under the Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1985 collects the call details of the mobile phones held by the accused from whom, recovery of drug was effected and the conspirator, who supplied the drug. Such call details:-

- (1) Can be used as substantive evidence to prove the charge of conspiracy.
- (2) Are inadmissible in evidence.
- (3) Can be considered relevant only if the conversation held between the two accused is recorded and proved at the trial.
- (4) None of the above.

58. स्वापक औषधी एवं मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 के अन्तर्गत एक मामले का अनुसंधान कर रहे अनुसंधान अधिकारी, अभियुक्त जिससे कि स्वापक औषधी बरामदगी की गई थी एवं षडयन्त्रकर्ता जिसने औषधी आपूर्ति की थी, द्वारा धारित मोबाईल फोन की कॉल-डिटेल्स (कॉल का विवरण) एकत्रित करता है । ऐसी कॉल-डिटेल्स (कॉल का विवरण):-

- (1) षडयन्त्र का आरोप प्रमाणित करने के लिए सारवान साक्ष्य के रूप में प्रयुक्त की जा सकती है ।
- (2) साक्ष्य में अग्राह्य है ।
- (3) केवल तब ही सुसंगत मानी जा सकती है यदि दोनो अभियुक्तगण के मध्य हुए वार्तालाप को रिकॉर्ड किया गया है और इसे विचारण में साबित किया जाता है ।
- (4) उपरोक्त में से कोई नहीं ।

59. In a case involving the offence punishable under Section 304 Part II of IPC, the accused, is arrested and the prosecution fails to comply with the requirements of Section 167(2) Cr.P.C. The accused, who is a habitual offender, becomes entitled to compulsive bail on:-

- (1) 61st day from the date of his arrest.
- (2) 91st day from the date of his arrest.
- (3) The accused is not entitled to be released on compulsive bail .
- (4) None of the above.

59. भारतीय दण्ड संहिता की धारा 304 भाग II के अन्तर्गत दण्डनीय किसी अपराध में एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया जाता है और अभियोजन धारा 167(2) दण्ड प्रक्रिया संहिता के उपबन्धों की आवश्यकताओं की पालना करने में विफल रहता है । अभियुक्त, जो कि एक आदतन अपराधी है, अनिवार्य जमानत प्राप्त करने का हकदार हो जाता है:-

- (1) गिरफ्तारी की दिनांक से 61वें दिवस को ।
- (2) गिरफ्तारी की दिनांक से 91वें दिवस को ।
- (3) अभियुक्त अनिवार्य जमानत पर रिहा होने का हकदार नहीं है ।
- (4) उपरोक्त में से कोई नहीं ।

60. A Patwari while preparing a revenue record, intentionally enters incorrect facts in the documents and signs & certifies the same with the intention of causing loss to the true owner of the land. The Patwari is guilty of :-

- (1) Offence of creating false/ forged documents punishable under Sections 467 and 468 IPC.
- (2) Offence of using a forged document punishable under Section 471 IPC.
- (3) Offence of criminal breach of trust punishable under Section 406 IPC.
- (4) None of the above.

60. एक पटवारी राजस्व अभिलेख तैयार करते समय, आशय पूर्वक, दस्तावेजों में गलत तथ्यों को प्रविष्ट करता है और उसे भूमि के वास्तविक स्वामी को हानि कारित करने के आशय से हस्ताक्षरित एवं सत्यापित करता है । पटवारी दोषी है:-

- (1) भारतीय दण्ड संहिता की धारा 467 और 468 के अन्तर्गत दण्डनीय, मिथ्या/कूटरचित दस्तावेज बनाने के अपराध का ।
- (2) भारतीय दण्ड संहिता की धारा 471 के अन्तर्गत दण्डनीय, कूटरचित दस्तावेज को प्रयुक्त करने के अपराध का ।
- (3) भारतीय दण्ड संहिता की धारा 406 के अन्तर्गत दण्डनीय, आपराधिक न्यासभंग के अपराध का ।
- (4) उपरोक्त में से कोई नहीं ।

61. An accused aged 20 years, having no previous criminal conduct, charged for the offence under Section 304 IPC, is convicted by the trial court. In these circumstances :-

- (1) The trial court is under a mandate of law to release the accused on probation.
- (2) The trial court may release the accused on probation.
- (3) The accused is not entitled to the benefit of probation because the offence is punishable with imprisonment upto 10 years.
- (4) None of the above.

61. एक 20 वर्षीय अभियुक्त, जिसका कोई पूर्व का अपराधिक आचरण नहीं है, उसे विचारण न्यायालय द्वारा भारतीय दण्ड संहिता की धारा 304 के आरोप में दोषसिद्ध किया जाता है। इन परिस्थितियों में:-

- (1) विचारण न्यायालय अभियुक्त को परिवीक्षा पर छोड़ने हेतु विधि की आज्ञापकता के अधीन है।
- (2) विचारण न्यायालय अभियुक्त को परिवीक्षा पर छोड़ सकेगा।
- (3) अभियुक्त परिवीक्षा का लाभ प्राप्त करने का हकदार नहीं है क्योंकि अपराध 10 वर्ष तक के कारावास की सजा से दण्डनीय है।
- (4) उपरोक्त में से कोई नहीं।

62. In which judgment, Hon'ble Supreme Court has laid down that the Police cannot refuse registration of an FIR on the ground of lack of jurisdiction:-

- (1) Manish Ratan Vs. State of M.P.; 2007(1) SCC 336
- (2) Amrendu Jyoti Vs. State of Chhattisgarh; 2014(6) Criminal 719
- (3) Rasiklal Dalpatram Thakkar Vs. State of Gujarat & Ors.; AIR 2010 SC 715
- (4) Y.Abraham Ajith & Ors. Vs. Inspector of Police, Chennai & Ors.; AIR 2004 SC 4286

62. माननीय उच्चतम न्यायालय ने किस निर्णय में यह प्रतिपादित किया है कि पुलिस, क्षेत्राधिकार के अभाव के आधार पर प्रथम सूचना रिपोर्ट पंजीबद्ध करने से, इन्कार नहीं कर सकती है :-

- (1) मनीषरतन बनाम मध्य प्रदेश राज्य; 2007(1) एस.सी.सी. 336
- (2) अमरेन्दु ज्योति बनाम छत्तीसगढ़ राज्य; 2014(6) क्रिमीनल 719
- (3) रसिकलाल दलपतराम ठक्कर बनाम गुजरात राज्य एवं अन्य; ए.आई.आर. 2010 एस.सी. 715
- (4) वाई. अब्राहम अजिथ एवं अन्य बनाम पुलिस निरीक्षक, चैन्नई एवं अन्य; ए.आई.आर. 2004 एस. सी. 4286

63. In which judgment, under the Negotiable Instruments Act, 1881 the Hon'ble Supreme Court held that though compounding requires consent of both the parties, but even in absence of such consent, the Court can, in the interest of justice, on being satisfied that the complainant has been duly compensated, in its discretion, close the proceedings and discharge the accused:-

(1) Madhya Pradesh State Legal Service Authority Vs. Prateek Jain; 2015(1) SCC (Cri) 211

(2) Meters and Instruments Private Limited Vs. Kanchan Mehta; AIR 2017 SC 4594

(3) JIK Industries Ltd. Vs. Amarlal V. Jumani & Anr.; AIR 2012 SC 1079

(4) Damodar S. Prabhu Vs. Sayyed Bala Lal H.; AIR 2010 SC 1907

63. माननीय उच्चतम न्यायालय ने परक्राम्य विलेख अधिनियम, 1881 के अन्तर्गत किस निर्णय में यह अभिनिर्धारित किया है कि यद्यपि राजीनामा के लिये उभयपक्ष की सहमति आवश्यक होती है परन्तु यदि न्यायालय इस बात से सन्तुष्ट है कि परिवादी की समुचित रूप से क्षतिपूर्ति की जा चुकी है तो न्यायालय, बिना ऐसी सहमति के भी न्यायहित में, अपने विवेकानुसार कार्यवाहियों को समाप्त कर, अभियुक्त को उन्मोचित कर सकता है :-

(1) मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बनाम प्रतीक जैन; 2015 (1) एस.सी.सी. (क्रि.) 211

(2) मिटर्स एण्ड इन्स्ट्रुमेन्ट्स प्रा. लि. बनाम कंचन मेहता; ए.आई.आर. 2017 एस.सी. 4594

(3) जे.आई.के. इण्डस्ट्रीज लि. बनाम अमरलाल वी. जुमानी एवं अन्य; ए.आई.आर. 2012 एस.सी. 1079

(4) दामोदर एस. प्रभु बनाम सैयद बाला लाल एच.; ए.आई.आर. 2010 एस.सी. 1907

64. In which of the following judgments, the Hon'ble Supreme Court has laid down that the competent Magistrate can direct the Police to conduct thorough and fair investigation into an FIR:-

(1) Hasan Bhai Wali Bhai Qureshi Vs. State of Gujarat; AIR 2004 SC 2078

(2) Sakiri Vasu Vs. State of U.P.; AIR 2008 SC 907

(3) Rashmi Behl Vs. State of U.P. & Ors.; AIR 2015 SC 776

(4) Aziza Begum Vs. State of Maharashtra; 2012 (2) SCC (Cri.) 61

64. निम्नलिखित निर्णयों में से किसमें, माननीय उच्चतम न्यायालय ने यह प्रतिपादित किया है कि सक्षम मजिस्ट्रेट, पुलिस को एक प्रथम सूचना रिपोर्ट में विस्तृत एवं निष्पक्ष अनुसंधान करने का निर्देश दे सकता है :-

(1) हसन भाई वली भाई कुरेशी बनाम गुजरात राज्य; ए.आई.आर. 2004 एस.सी. 2078

(2) सकीरी वासु बनाम उत्तरप्रदेश राज्य; ए.आई.आर. 2008 एस.सी. 907

(3) रश्मि बहल बनाम उत्तरप्रदेश राज्य एवं अन्य; ए.आई.आर. 2015 एस.सी. 776

(4) अजिजा बेगम बनाम महाराष्ट्र राज्य; 2012(2) एस.सी.सी. (क्रि.) 61

65. In which judgment, the Hon'ble Supreme Court has laid down that a party, who is desirous of proving electronic evidence but does not have access to the device from which, the document was produced, is not required to produce and prove the certificate under Section 65-B of the Evidence Act:-

- (1) State of Delhi NCT Vs. Navjot Sandhu @ Afsan Guru; AIR 2005 SC 3826
- (2) Harpal Singh @ Chhota Vs. State of Punjab; 2016(4) Crimes 154
- (3) Anvar P.V. Vs. P.K.Bashir; AIR 2015 SC 180
- (4) Shafi Mohd. Vs. State of Himachal Pradesh; SLP (Cri) No.3202/2017, decided on 30.1.2018

65. माननीय उच्चतम न्यायालय ने किस निर्णय में, यह प्रतिपादित किया है कि एक पक्षकार, जो इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य प्रमाणित करवाना चाहता है परन्तु उसकी पहुँच उस यंत्र तक नहीं है जिससे वह दस्तावेज उत्पादित किया गया था, को साक्ष्य अधिनियम की धारा 65-ख के अन्तर्गत प्रमाण-पत्र को प्रस्तुत व प्रमाणित करना आवश्यक नहीं होगा :-

- (1) स्टेट ऑफ देहली एनसीटी बनाम नवजोत संधू उर्फ अफसान गुरु; ए.आई.आर. 2005 एस.सी. 3826
- (2) हरपाल सिंह उर्फ छोटा बनाम पंजाब राज्य; 2016(4) क्राईम्स 154
- (3) अनवर पी.वी. बनाम पी.के. बशीर; ए.आई.आर. 2015 एस.सी. 180
- (4) शफी मोहम्मद बनाम हिमाचल प्रदेश राज्य; एस.एल.पी. (क्रि.) नं. 3202/2017, निर्णित 30.01. 2018

66. In which judgment, the Hon'ble Supreme Court has laid down that having taken cognizance of a case, the Magistrate cannot direct the Police to conduct further investigation:-

- (1) State of Haryana Vs. Choudhary Bhajan Lal; AIR 1992 SC 604
- (2) M/s.Jayanti Vitamin Vs. Chaitanya Kumar; AIR 1992 SC 1930
- (3) Amrutbhai Shambhubhai Patel Vs. Sumanbhai Kantibhai Patel & Ors.; AIR 2017 SC 774
- (4) Hemant Dhasmana Vs. CBI; AIR 2001 SC 2721

66. माननीय उच्चतम न्यायालय ने किस निर्णय में, यह प्रतिपादित किया है कि एक मामले में प्रसंज्ञान लेने के पश्चात् मजिस्ट्रेट, पुलिस को आगे और अनुसंधान करने का निर्देश नहीं दे सकता है:-

- (1) हरियाणा राज्य बनाम चौधरी भजनलाल; ए.आई.आर. 1992 एस.सी. 604
- (2) मैसर्स जयन्ति विटामिन बनाम चैतन्य कुमार; ए.आई.आर. 1992 एस.सी. 1930
- (3) अमूर्तभाई शम्भूभाई पटेल बनाम सुमनभाई कान्तिभाई पटेल एवं अन्य; ए.आई.आर. 2017 एस.सी. 774
- (4) हेमन्त दशमना बनाम सी.बी.आई.; ए.आई.आर. 2001 एस.सी. 2721

67. A competent Court, shall take cognizance of an offence punishable under The Electricity Act, 2003:-
- (1) Upon a complaint in writing made by any general person.
 - (2) Upon an oral complaint made by a Chief Electrical Inspector.
 - (3) Upon a complaint in writing made by licensee or generating company.
 - (4) Upon none of the above.
67. एक सक्षम न्यायालय, विद्युत अधिनियम, 2003 के अन्तर्गत कारित किसी दण्डनीय अपराध का प्रसंज्ञान लेगा:-
- (1) किसी भी सामान्य व्यक्ति के लिखित परिवाद पर ।
 - (2) मुख्य विद्युत निरीक्षक के मौखिक परिवाद पर ।
 - (3) अनुज्ञप्तिधारी या उत्पादक कम्पनी के लिखित परिवाद पर ।
 - (4) उपरोक्त में से किसी पर नहीं ।
68. Under the provisions of Protection of Children from Sexual Offences Act, 2012, can a report be published by the media, which discloses the identity of a sexually assaulted child:-
- (1) Cannot be published.
 - (2) Can be published in public interest.
 - (3) Can be published, if permitted by competent Special Court.
 - (4) None of the above.
68. लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 के प्रावधानों के अन्तर्गत, क्या मीडिया द्वारा किसी ऐसी रिपोर्ट का प्रकाशन किया जा सकता है जिससे लैंगिक आक्रमित बालक की पहचान प्रकट होती हो :-
- (1) प्रकाशन नहीं किया जा सकता है ।
 - (2) लोकहित में प्रकाशन किया जा सकता है ।
 - (3) प्रकाशन किया जा सकता है, यदि सक्षम विशेष न्यायालय द्वारा अनुज्ञात कर दिया गया हो ।
 - (4) उपरोक्त में से कोई नहीं ।
69. Police Officer, in all cases where the arrest of a person is not required under section 41(1) of Cr.P.C., against whom, a reasonable complaint has been made that he has committed a cognizable offence, then:-
- (1) Police Officer may without an order from a Magistrate and without a warrant, arrest such person.
 - (2) Police Officer shall issue a notice directing that person to appear before him or at such other place, as may be specified in the notice.
 - (3) Police Officer while recording his reasons in writing, can arrest such person.
 - (4) Police Officer can do all the above.
69. पुलिस अधिकारी, ऐसे सभी मामलों में जिनमें दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 41(1) के उपबन्धों के अधीन किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी अपेक्षित नहीं है, उस व्यक्ति को जिसके विरुद्ध इस बारे में उचित परिवाद किया जा चुका है कि उसने संज्ञेय अपराध किया है, तो :-
- (1) पुलिस अधिकारी मजिस्ट्रेट के आदेश के बिना और वारंट के बिना ऐसे व्यक्ति को गिरफ्तार कर सकता है ।
 - (2) पुलिस अधिकारी ऐसे व्यक्ति को उसके समक्ष या ऐसे अन्य स्थान पर, जो सूचना में विनिर्दिष्ट किया जाए, उपसंज्ञात होने के लिये निदेश देते हुए सूचना जारी करेगा ।
 - (3) पुलिस अधिकारी अपने कारणों को लेखबद्ध करते हुए ऐसे व्यक्ति को गिरफ्तार कर सकता है ।
 - (4) पुलिस अधिकारी उपरोक्त सभी कर सकता है ।

70. If a Magistrate of a Court, requiring to examine at his private residence, a record of a case in his Court, he:-

- (1) May take charge of such record without any permission.
- (2) May take charge of such record with prior permission of concerned District & Sessions Judge.
- (3) May take charge of such record with prior permission of concerned High Court.
- (4) Can not take charge of such record.

70. यदि किसी न्यायालय का मजिस्ट्रेट, जो अपने न्यायालय के किसी प्रकरण के अभिलेख की, अपने प्राईवेट निवास पर परीक्षा करने की अपेक्षा रखता है, वह:-

- (1) ऐसे अभिलेख को बिना किसी की अनुमति के नियन्त्रण में ले सकेगा ।
- (2) ऐसे अभिलेख को सम्बन्धित जिला एवं सेशन न्यायाधीश की पूर्व अनुमति से नियन्त्रण में ले सकेगा ।
- (3) ऐसे अभिलेख को सम्बन्धित उच्च न्यायालय की पूर्व अनुमति से नियन्त्रण में ले सकेगा ।
- (4) ऐसे अभिलेख को नियन्त्रण में नहीं ले सकता है ।

71. 'अभ्यंतर' शब्द में कौनसी संधि प्रयुक्त हुई है ?

- (1) यण संधि ।
- (2) वृद्धि संधि ।
- (3) गुण संधि ।
- (4) दीर्घ संधि ।

72. जिस समास में प्रथम पद संख्यावाचक अर्थात् गणनाबोधक होता है तथा दूसरा पद प्रधान होता है, उसे कहते हैं :-

- (1) द्वंद्व समास ।
- (2) द्विगु समास ।
- (3) तत्पुरुष समास ।
- (4) कर्मधारय समास ।

73. निम्नलिखित में से एक से अधिक उपसर्ग वाला शब्द चुनिए:-

- (1) निर्विरोध ।
- (2) अंतरराष्ट्रीय ।
- (3) संक्षेपण ।
- (4) परिमार्जन ।

74. इनमें से कौनसा शब्द पर्वत का सही पर्याय नहीं है ?

- (1) भूधर ।
- (2) शैल ।
- (3) वर्त्य ।
- (4) नग ।

75. निम्नलिखित शब्द-युग्मों में से विलोम शब्द का सही विकल्प बताइए:-

- (1) जड़-चेतना ।
- (2) निर्दय-सदाशय ।
- (3) शुभ-लाम ।
- (4) नैसर्गिक-कृत्रिम ।

76. 'जिजीविषा' शब्द का अर्थ प्रकट करने वाला वाक्यांश है:-

- (1) जानने की इच्छा ।
- (2) ग्रहण करने की इच्छा ।
- (3) किसी को जीतने की इच्छा ।
- (4) जिंदा रहने की इच्छा ।

77. निम्नलिखित में से शुद्ध शब्द बताइए :-

- (1) ज्योत्सना ।
- (2) द्वारका ।
- (3) मंत्रीमंडल ।
- (4) हरितिमा ।

78. निम्न शब्द-समूहों में वचन की दृष्टि से कौनसा विकल्प सही नहीं है ?

एकवचन - बहुवचन

- | | | | |
|-----|-------|---|---------|
| (1) | लता | - | लताएँ |
| (2) | गाथा | - | गाथाएँ |
| (3) | क्षमा | - | क्षमाएँ |
| (4) | कन्या | - | कन्याएँ |

79. निम्नलिखित में से कौनसा वाक्य शुद्ध है ?

- (1) मैं मंगलवार के दिन व्रत रखता हूँ ।
- (2) आपके प्रश्न का समाधान मेरे पास है ।
- (3) वह उसका चश्मा भूल गया ।
- (4) आज उसके रहस्य का राज खुल गया ।

80. LICENCE शब्द का सही हिंदी रूपांतरण बताइए:-

- (1) पट्टा ।
- (2) अनुज्ञप्ति ।
- (3) अनुमति पत्र ।
- (4) प्रत्याभूति ।

81. निम्न में से सही विकल्प बताइए :-

- (1) HONORARIUM - मानदेय ।
- (2) APPROVAL - संस्तुति ।
- (3) ACKNOWLEDGEMENT - कार्यवाही ।
- (4) OATH - संदेश ।

82. 'खूब मन लगाकर पढ़ो ताकि परीक्षा में प्रथम आओ' वाक्य में प्रयुक्त अव्यय कौनसा है ?

- (1) खूब ।
- (2) ताकि ।
- (3) में ।
- (4) आओ ।

83. लिखते हुए किसी शब्द के छूट जाने पर उसे लिखने के लिए किस चिह्न का प्रयोग करते हैं:-

- (1) कोष्ठक चिह्न ।
- (2) उद्धरण चिह्न ।
- (3) अल्प विराम चिह्न ।
- (4) हंसपद चिह्न ।

84. 'खग जाने खग ही की भाषा' का अभिप्राय है:-

- (1) चालाक ही चालाक की बात समझ सकता है ।
- (2) विद्वान् सभी भाषाओं का ज्ञाता होता है ।
- (3) पक्षी ही पक्षी की बोली जानता है ।
- (4) फालतू आदमी फालतू बात ही करता है ।

85. 'किये हुए उपकार को न मानने वाला' कहलाता है:-

- (1) कृतज्ञ ।
- (2) कृतार्थ ।
- (3) कृतघ्न ।
- (4) कुलांगार ।

86. Choose the correct alternative that expresses the 'Future Perfect' tense.

- (1) She will be completing her assignment.
- (2) She will complete her assignment.
- (3) She is completing her assignment.
- (4) She will have completed her assignment by midnight.

87. 'He has just ____ out of the room in a rage.'

Supply the correct form of verb from the given alternatives.

- (1) Flinged
- (2) Flunged
- (3) Flung
- (4) Flanged

88. ____ man is the only animal that uses fire.

- (1) X
- (2) The
- (3) A
- (4) An

89. He has hardly ____ money for his survival.

- (1) Few
- (2) A few
- (3) Some
- (4) Any

90. 'As the enemy was closing in, we decided to stay away.'

The phrase 'close in' means :-

- (1) Shoot out
- (2) Go away
- (3) Come nearer
- (4) Win

91. When someone says, "I am out of the woods now", he means that :-
(1) He has come out of the forest.
(2) He has destroyed all the woods.
(3) He is no longer in danger or difficulty.
(4) He does not want to live in forest.
92. Choose the correct passive voice of the following sentence.
'We must not look down on the poor.'
(1) The poor must not looked down by us.
(2) The poor must not be looked on by us.
(3) The poor must not looked down on by us.
(4) The poor must not be looked down on by us.
93. Identify the sentence which is **not** written in passive voice:-
(1) Utmost care has to be taken.
(2) Being a student, you must work hard.
(3) He was being chased.
(4) The case has been set aside by the court.
94. Complete the following sentence with the correct coordinating conjunction.
"I had studied a lot, _____ I did really well on the test."
(1) So
(2) For
(3) But
(4) Yet
95. Complete the following sentence with correct subordinating conjunction:-
'You can only play outside _____ your father gets home.'
(1) Whereas
(2) Until
(3) In case
(4) Because
96. She said, "Merry Christmas!"
Which of the following is the correct indirect speech of the above statement :-
(1) She told me Merry Christmas.
(2) She said that Christmas was Merry.
(3) She wished me a Merry Christmas.
(4) She called me a Merry Christmas.
97. Which of the following sentences uses the modal 'would' to express a wish or desire :-
(1) Would that I had made contact with him before his departure.
(2) Would you mind opening the window?
(3) She would look at the stars for hours when she was a child.
(4) She would not follow my advice.

98. Which of the following sentences expresses suggestion :-

- (1) Will I close the door?
- (2) Shall I close the door?
- (3) May I close the door?
- (4) Could I close the door?

99. Pick the correct synonym for the word 'robust' :-

- (1) Strong
- (2) Frail
- (3) Infirm
- (4) Noxious

100. Choose the word which is opposite in meaning to the word "Veracity":-

- (1) Truthfulness
- (2) Probity
- (3) Mendacity
- (4) Integrity

Space for Rough Work

CONFIDENTIAL
SEAL